

Bhajan

06

तोड़ दे सारे जग के बन्धन

तोड़ दे सारे जग के बन्धन,
भज ले मनवा राम राम,
राम शरण आ कर ले वन्दन,
भज ले मनवा राम राम ॥ १ ॥

राम भजन कियो न मूरख,
तूने बिसरायो रे राम,
सिरजन हारी अवध बिहारी,
भज ले प्राणी राम राम ॥ २ ॥

भूल के जग के स्वामी को,
काहे भटके तीरथ धाम,
मन मन्दिर में राम बसे हैं,
भज ले बन्दे राम राम ॥ ३ ॥

परम भक्ति की जोत जगाकर,
सुमिरन कर ले आठों याम,
जीवन सफल बना ले बन्दे,
भज ले पल पल राम राम ॥ ४ ॥

मुझे राम से कोइ मिला दे

अति अन्धेरी रात है, अविद्या घोर अज्ञान,
पथ भूला मैं भ्रांति वश, संशय शील अज्ञान ॥
अब तो दीप दिखाइये, जिस से देखूँ पंथ,
जिस का वर्णन सब करें, वेद श्रुति शुभ ग्रंथ ॥

मुझे राम से कोई मिला दे,
मुझे राम से कोई मिला दे,
बिन लाठी के निकला अन्धा, राह से कोई मिला दे ॥

कोई कहे वो बसे अवध में,
कोई कहे वो वृन्दावन में,
कोई कहे तीरथ मन्दिर में,
कोई कहे मिलते वो वन में,
देख सकूँ मैं उनको मन में,
ऐसी ज्योति जला दे ॥

कोई कहे मिले अर्चन में,
कोई कहे सिया राम भजन में,
कोई कहे पूजन वन्दन में,
कोई कहे वो नाम जपन में,
मैं भक्ति के मद में झूमूँ,
ऐसा रसवा पिला दे ॥

कोई कहे बसते मन आँगन,
कोई कहे रस नाम भजन में,
योगी कहे योग में तप में,
गीता वेद रामायण में,
दर्शन को है आतुर मनवा,
चित्त को धीर बंधा दे ॥

रे मन मैंने तो पाये

नाना सूर्य चमकते करते तेरा गान
सागर सरिता सहित मिल तेरा करें बखान

पुष्पित फलित सुहावनी पत्रित कोमल गात
लता पता है गा रही, तेरी सुन्दर बात

पर्वत ऊँची चोटियाँ हरे भरे वनराज
तेरा गायन कर रहे, जंगम जगत समाज

रे मन मैंने तो पाये, जड़ चेतन में राम,
जन जन की आशा में पाये,
रोम रोम, उर उर में राम ॥

पात पात में, पुष्प पुष्प में,
बच्चों की मुस्कान में राम,
धरती पे अम्बर में पाये,
भीतर बाहर राम ही राम ॥

जिज्ञासू की जिज्ञासा में,
जीवों के जीवन में राम,
अनुराग विराग में पाये,
पनघट पे मरघट में राम ॥

बोलो राम बोलो राम
बोलो राम राम राम

मुझ पे इतनी कृपा बस विधाता रहे

मुझ पे इतनी कृपा बस विधाता रहे,
राम का नाम होठों पे आता रहे ॥

भोर से साँझ तक राम का ध्यान हो,
हर तरफ राम है बस यही ज्ञान हो,
राम को ही हृदय ये बुलाता रहे,
राम का नाम होठों पे आता रहे ॥

राम में ही सदा मैं लगाऊँ लगन,
राम की ही कथा में रहूँ मैं मगन,
राम चरणों से ही मेरा नाता रहे,
राम का नाम होठों पे आता रहे ॥

राम को ही ये रसना पुकारा करे,
राम को ही ये नैना निहारा करें,
राम के गीत ही कंठ गाता रहे,
राम का नाम होठों पे आता रहे ॥

राम नाम अति मीठा है

राम नाम अति मीठा है, कोई गाके देख ले,
आ जाते हैं राम, कोई बुला के देख ले ॥

मन भगवान का मन्दिर है, यहाँ मैल न आने देना,
हीरा जन्म अनमोल मिला, इसे व्यर्थ गवां न देना,
शीश दिए हरि मिलते हैं, लुटा के देख ले ॥

जिस मन में अभिमान भरा, भगवान कहाँ से आए,
घर में हो अन्धकार भरा, मेहमान कहाँ से आए,
राम नाम की ज्योति हृदय, जला के देख ले ॥

गीध अजामिल गज गणिका ने, ऐसी करी कमाई,
नीच करम को करने वाला, तर गया सदन कसाई,
पत्थर से हरि प्रगटे हैं, प्रगटा के देख ले ॥

आधे नाम पे आ जाते हैं, है कोई बुलाने वाला,
बिक जाते हैं राम, कोई हो मोल चुकाने वाला,
कोई जौहरी आके, मोल लगा के देख ले ॥

राम भरोसे ही रहकर

राम भरोसे ही रहकर के जपो राम का नाम,
राम भजन से हो जाते हैं पूर्ण सारे काम ॥
श्री राम जय राम जय जय राम . . .

काया माया के सुख झूठे माया मन भरमाये,
इक दिन ये माटी की काया माटी में मिल जाये,
जग के सारे सुख नश्वर हैं, एक भजन शुभ काम ॥
श्री राम जय राम जय जय राम . . .

प्रेम भाव से जो रघुवर के नाम में ध्यान लगाये,
उसपर कृपा राम की होये, भव से मुक्ति पाये,
भक्ति का वोही सुख पाये, जो भजता निष्काम ॥
श्री राम जय राम जय जय राम . . .

केवल राम सुमरने से सब अशुभ कर्म टल जायें,
मन शुभ करें नयन शुभ देखें, रसना राम गुण गाये,
नाम की महिमा से बरसे है, अमृत आठों याम ॥
श्री राम जय राम जय जय राम . . .

धुन - श्री राम जय राम जय जय राम

राम राम कहिये
सदा सुखी रहिये